UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

JRF का जलवा

UNIT=5

व्याकरण एवं भाषाविज्ञान सामान्य परिचय

Daily = 6 pm

Class = 86

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

m

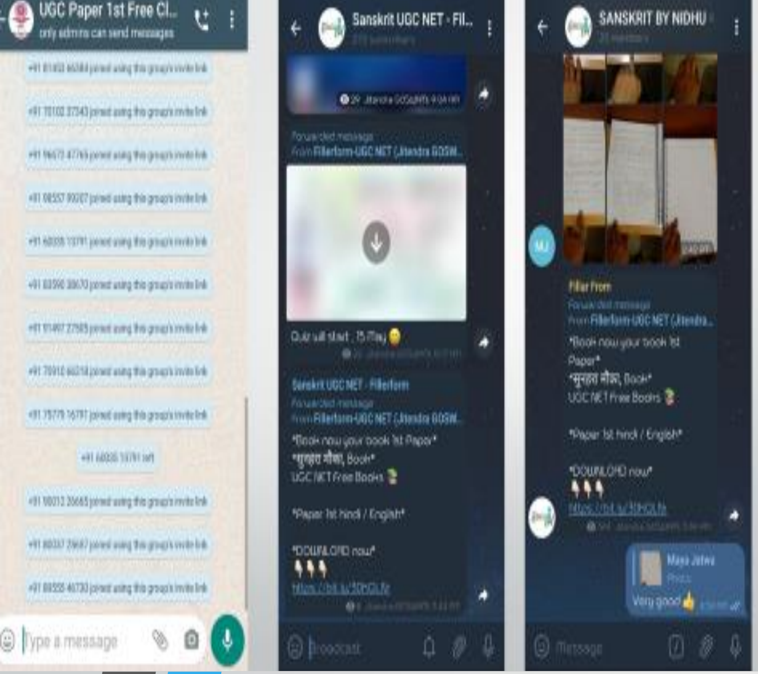
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
Type a message
Sanskrit UGC NET - Fil...
SANSKRIT BY NIDHU

Filler Form
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
5000+MCQ+PYQ
Free Books
100% off
fillerform

NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

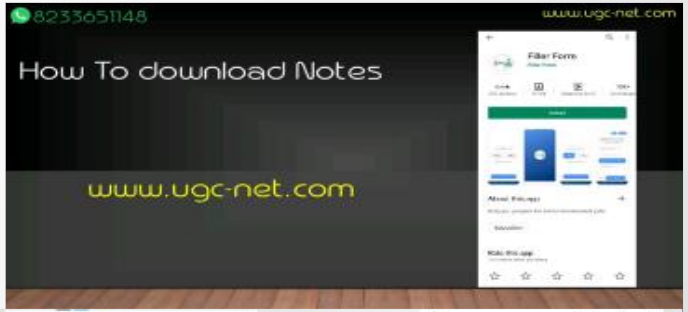
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

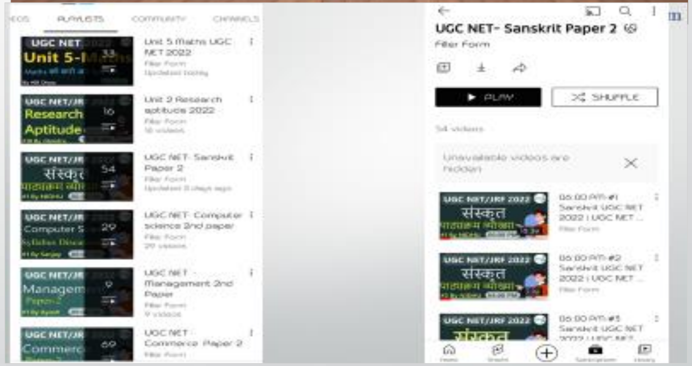
UGC NET- Sanskrit Paper 2
PLAY
SHUFFLE

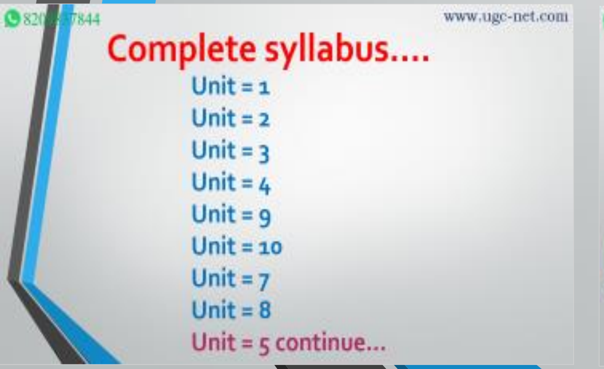
www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7
Unit = 8
Unit = 5 continue...

www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
Free Smart Watch
MAY
22
Apply Now
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

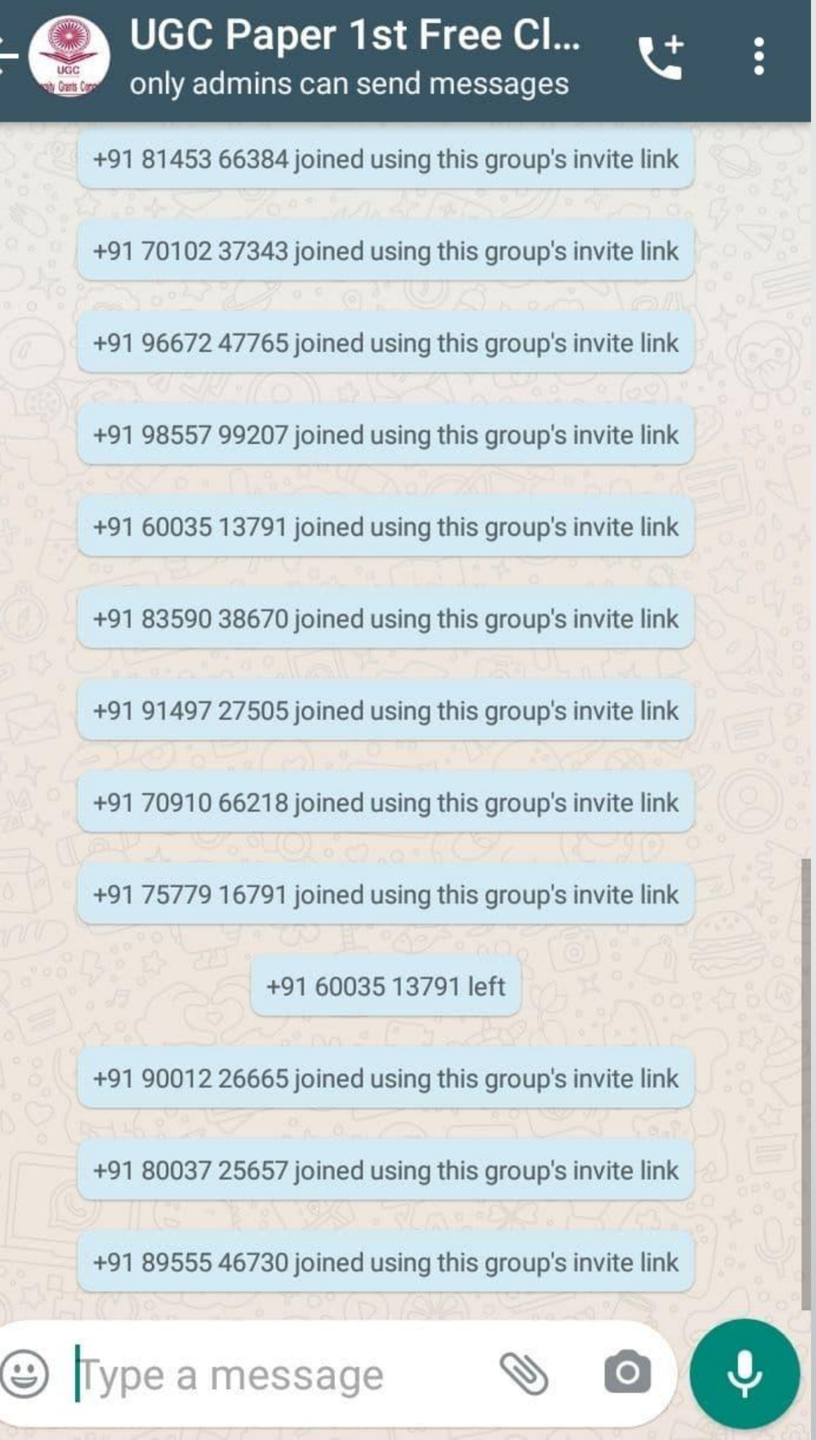
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

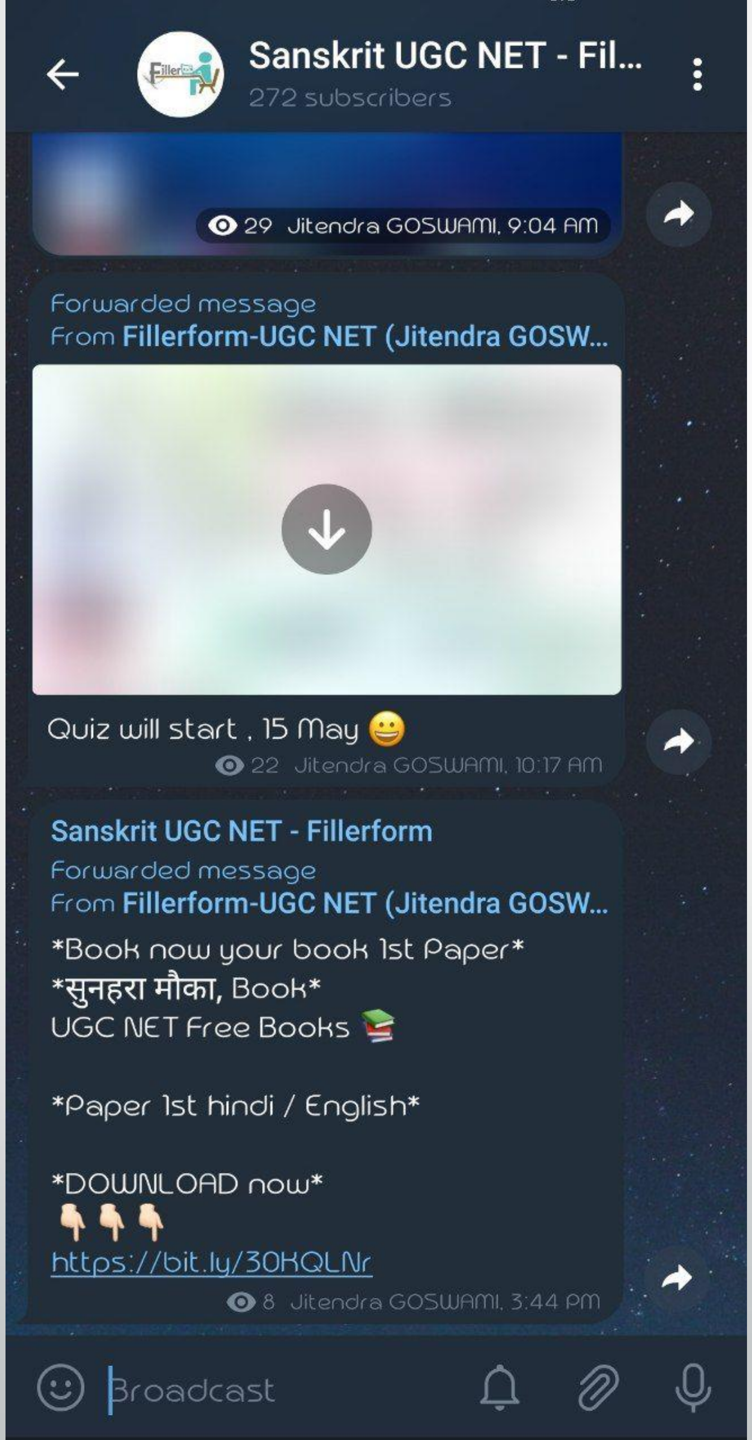
Sanskrit UGC NET - Fil...
272 subscribers
29 Jitendra GOSWAMI, 9:04 AM
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Quiz will start , 15 May 😀
22 Jitendra GOSWAMI, 10:17 AM
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
8 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Broadcast

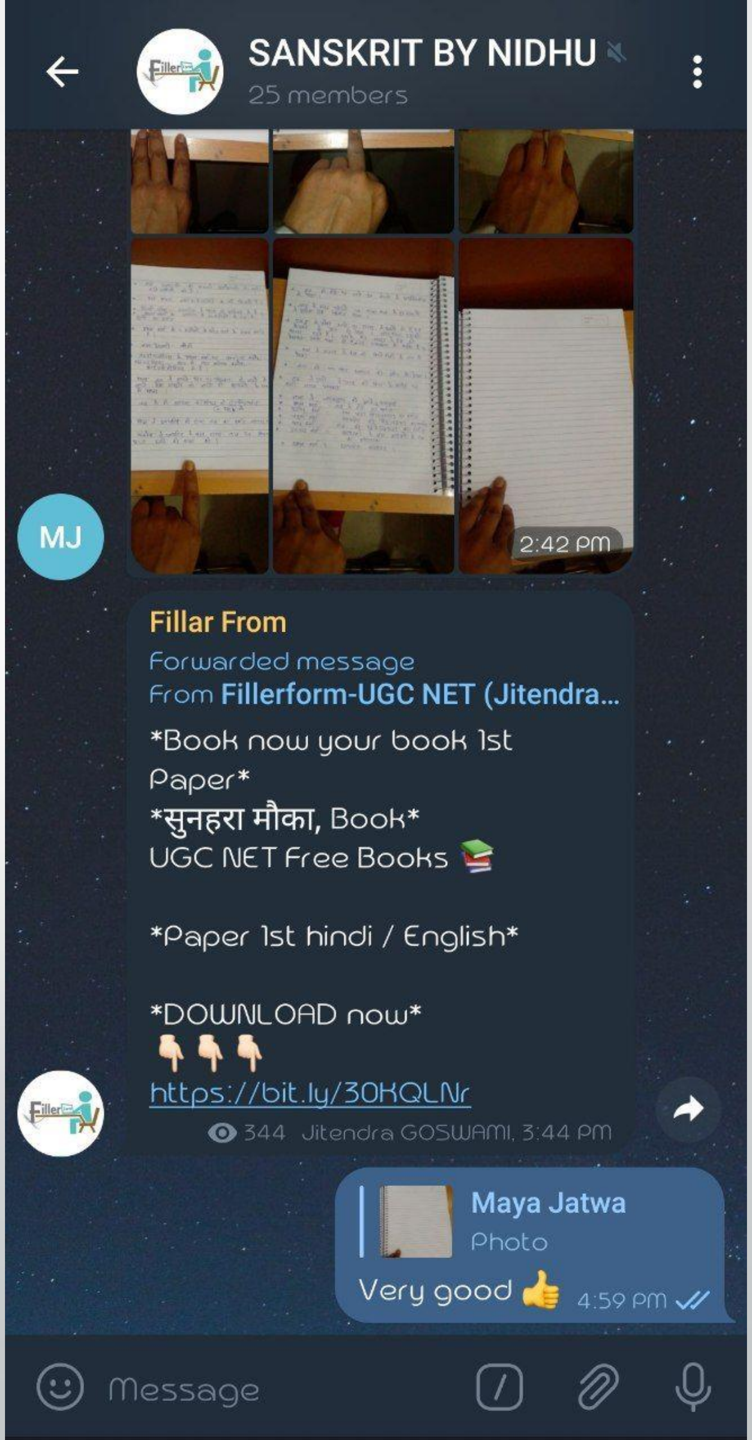
SANSKRIT BY NIDHU
25 members
2:42 PM
MJ
Fillar From
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
344 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Maya Jatwa
Photo
Very good 👍 4:59 PM
Message

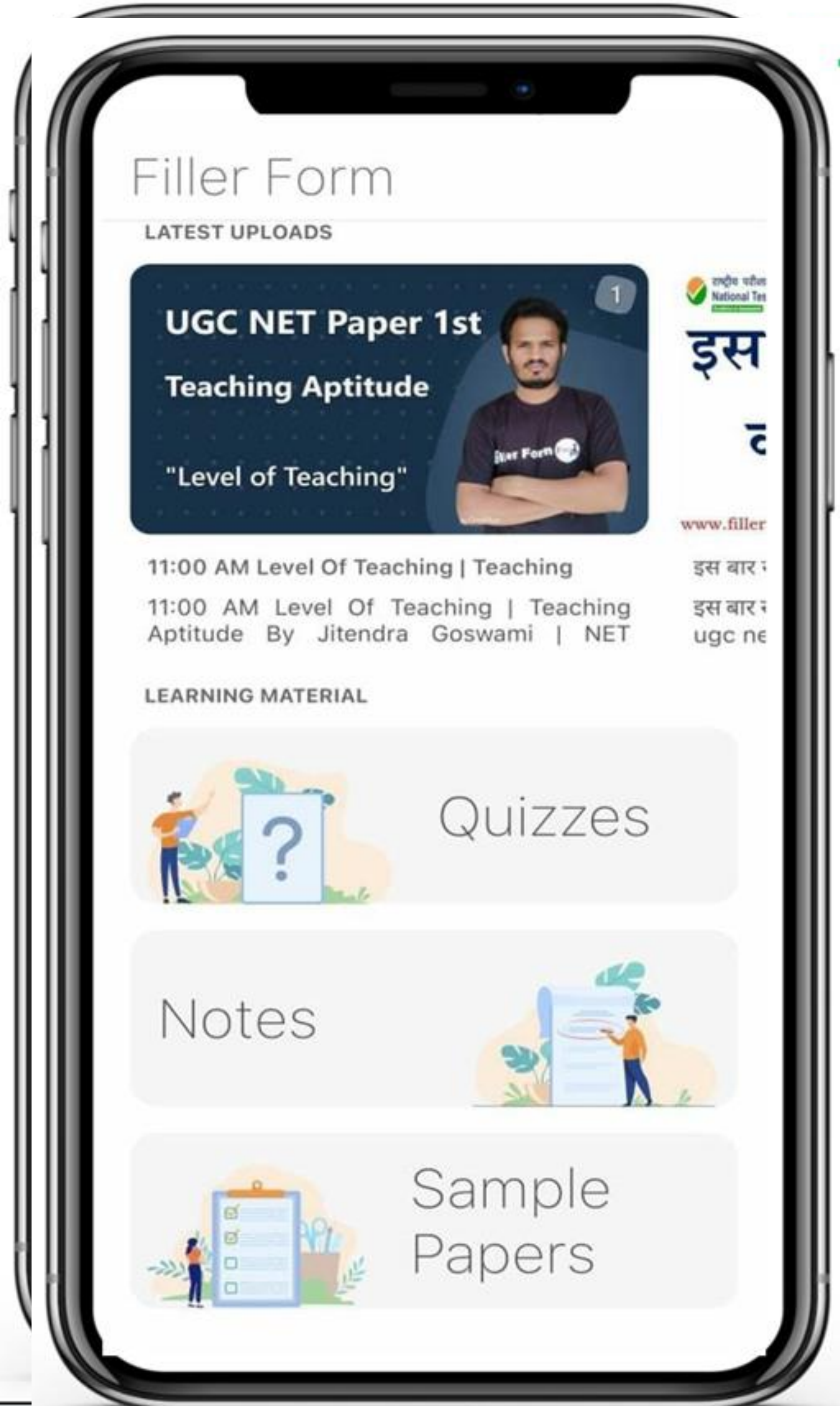

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

100% OFF

fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

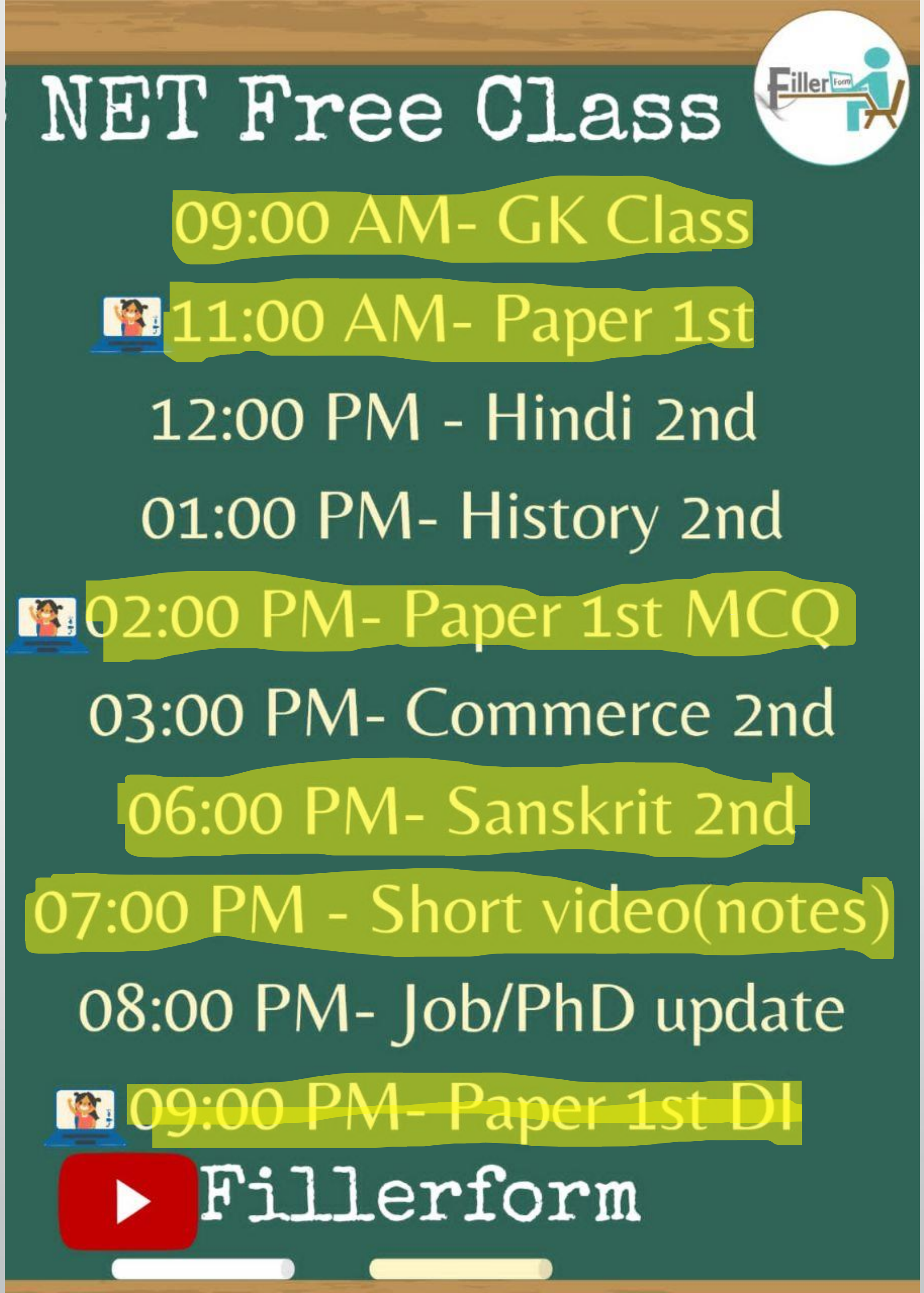

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

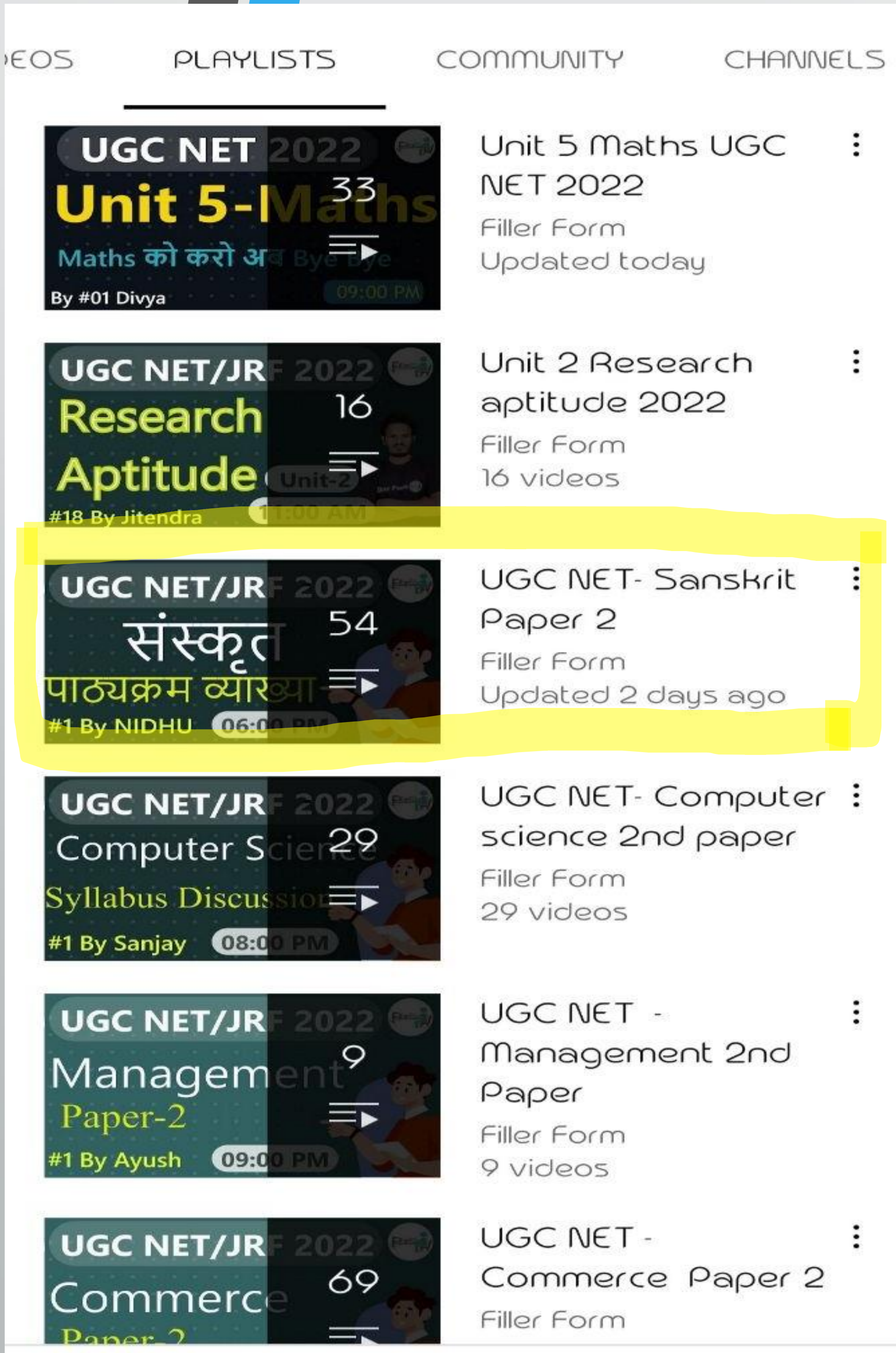

EOS
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET 2022
Unit 5-Maths
Maths को करो अब Bye Bye
By #01 Divya
09:00 PM
33
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today
UGC NET/JRF 2022
Research Aptitude
Unit-2
#18 By Jitendra
11:00 AM
16
Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
54
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago
UGC NET/JRF 2022
Computer Science
Syllabus Discussion
#1 By Sanjay
08:00 PM
29
UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos
UGC NET/JRF 2022
Management
Paper-2
#1 By Ayush
09:00 PM
9
UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos
UGC NET/JRF 2022
Commerce
Paper-2
69
UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

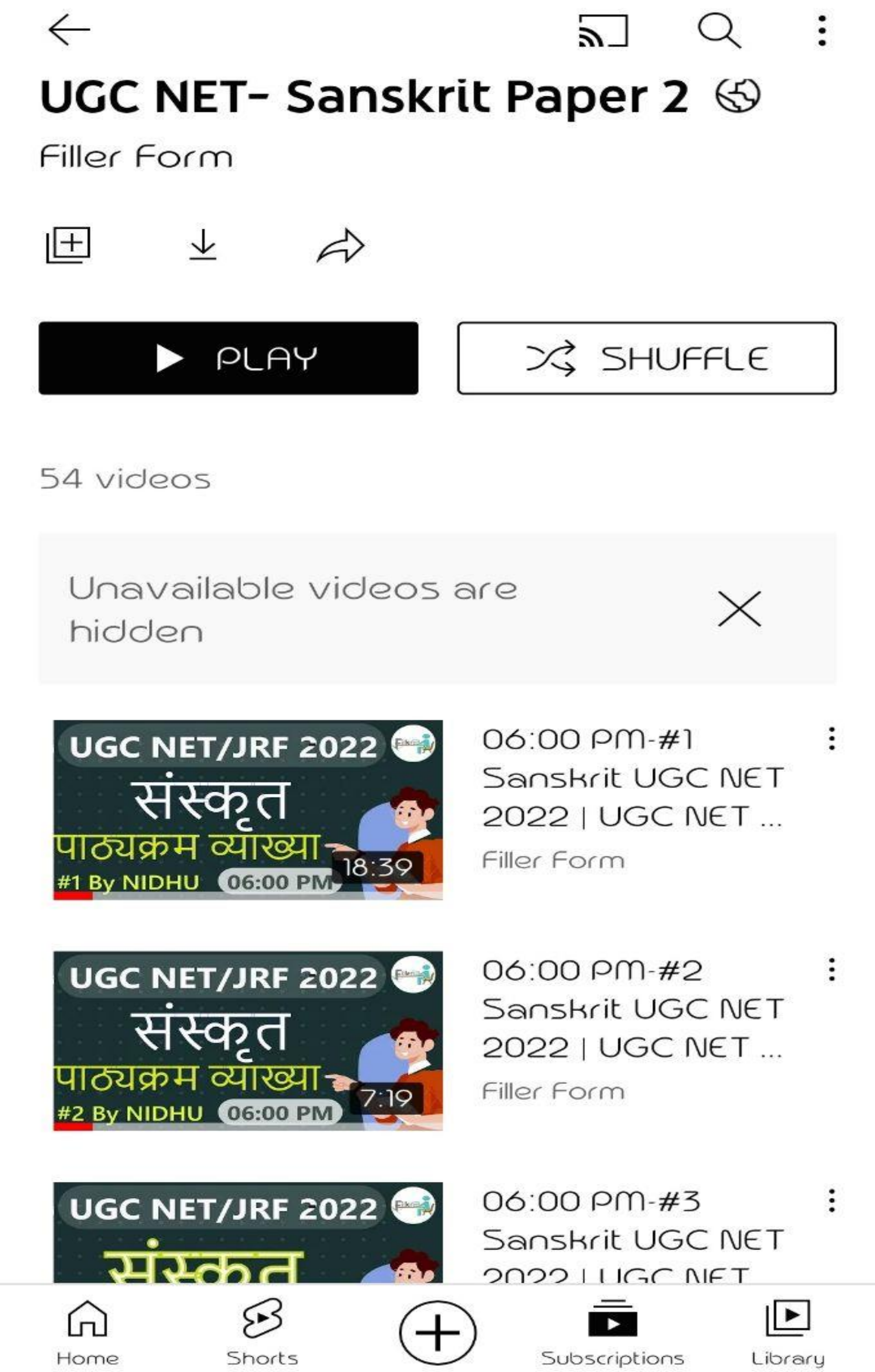

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
18:39
06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#2 By NIDHU
06:00 PM
7:19
06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET
Home
Shorts
Subscriptions
Library

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Free Smart Watch

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

We want JRF

JRF का जलवा

We want JRF

8209837844

Complete syllabus....

Unit = 1

Unit = 2

Unit = 3

Unit = 4

Unit = 9

Unit = 10

Unit = 7

Unit = 8

Unit = 5 continue...

8209837844
www.ugc-net.com

Today's Topic....

॥पाणिनीयशिक्षा॥

820983784 ...c-net.com

परिचय-

शिक्षा को वेद के छह अङ्गों में से सर्वप्रथम प्रमुख अङ्ग माना गया है जिसे वेद की नासिका कहा जाता है "शिक्षा घ्राणं तु वेदस्य" । हमारे शास्त्रों में विविध प्रकार के शिक्षा ग्रन्थों का वर्णन है उनमें से पाणिनीय शिक्षा सरल और स्पष्ट भाषा में लिखा गया एक महत्वपूर्ण एवं प्रामाणिक ग्रन्थ है जिसके रचयिता आचार्य पाणिनि है । यह पद्यात्मक शैली में लिखा गया ग्रन्थ है जिसमें तिरसठ या चौसठ श्लोक हैं ।

"अथ शिक्षां प्रवक्ष्यामि पाणिनीयं मतं यथा।
शास्त्रानुपूर्वं तद्विद्याद् यथोक्तं लोकवेदयोः"॥1॥

हिन्दी अर्थ- पाणिनी मत के अनुसार शिक्षा नामक वेदाङ्ग को कहूँगा । उसे लोक तथा वेद में कहे हुए अनुसार तथा शास्त्रों के प्रवर्तक गुरुओं की परम्परा से प्राप्त समझे ।

8209837844

www.ugc-net.com

वर्णसंख्या-

त्रिषष्टिश्चतुः षष्टिर्वा वर्णाः शम्भुमते मताः।
प्राकृते संस्कृते चापि स्वयं प्रोक्ताः स्वयंभुवा ॥3॥

प्रकृति के अनुकूल संस्कृत भाषा में शम्भु के मत में तिरसठ या चौंसठ वर्ण होते हैं, ब्रह्मा जी ने इसे स्वयं कहा है ।

वर्णगणना-

स्वरा विंशतिरेकश्च स्पर्शानां पञ्चविंशतिः।
यादयश्च स्मृता ह्यष्टौ चत्वारश्च यमाः स्मृताः ॥4॥
अनुस्वारो विसर्गश्च क पौ चापि पराश्रितौ ।
दुःस्पृष्टश्चेति विज्ञेयो ऋकारः प्लुत एव च ॥5॥

स्वर - 21, स्पर्श - 25, यकारादि (अन्तस्थ और उष्म) = 8,
यम - 4, अनुस्वार - 1, विसर्ग - 1,
जिह्वामूलीय उपध्मानीय - 2, प्लुत ऌकार - 1 = 63
अनुस्वार के ह्रस्व, दीर्घ या रङ्ग रूप में दो संख्या लेने पर (64)

8209837844

www.ugc-net.com

वर्णोत्पत्तिप्रक्रिया-

आत्मा बुध्या समेत्यर्थान्मनो युङ्क्ते विवक्षया।
मनः कायाग्निमाहन्ति स प्रेरयति मारुतम् ॥6॥
मारुतस्तूरसि चरन्मन्द्रं जनयति स्वरम्।
प्रातः सवनयोगं तं छन्दो गायत्रमाश्रितम् ॥7॥

प्रातः सवन में प्रयोज्य और **"गायत्री छन्द"** से विशेषतया सम्बद्ध **"मन्द्र"** (गम्भीर) स्वर को उत्पन्न करता है- **हृदय में। माध्यन्दिन सवन** में कण्ठ देश में प्रयोज्य **"त्रिष्टुप्"** छन्द से **"मध्यम"** स्वर को उत्पन्न करता है- **कण्ठ में । सांय सवन** में प्रयोज्य तथा **"जगती"** छन्द से तार स्वर को उत्पन्न करता है- **शिर में।**

वर्णभेद-

(1) स्वर (2) काल (3) स्थान
(4) आभ्यन्तर प्रयत्न (5) बाह्य प्रयत्न

8209837844

www.ugc-net.com

स्वरकृतवर्णभेद, कालकृतवर्ण भेद -

तीन स्वर- उदात्त, अनुदात्त, स्वरित ।

तीन कालकृत नियम्- ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत ।

स्वर- "उदात्ते निषादगान्धारावनुदात्त: ऋषभ धैवतौ।

स्वरितप्रभवा ह्येते षड्ज-मध्यम पञ्चमा:"॥12॥

उदात्त स्वर = निषाद गान्धार ।

अनुदात्त स्वर = ऋषभ,धैवत

स्वरित मूलक स्वर = षड्ज, मध्यम, पञ्चम

वर्णस्थानगणना-

वर्णों के आठ उच्चारण के स्थान हैं -

"अष्टौ स्थानानि वर्णानामुरः कण्ठः शिरस्तथा

जिह्वामूलं च दन्ताश्च नासिकोष्ठौ च तालु च"।।13॥

1. उरः	2. कण्ठ	3. शिर	4. जिह्वामूल
5. दन्त	6. नासिका	7. ओष्ठ	8. तालु

"चारायणीय शिक्षा" में (19) दिये गए हैं।

8209837844 www.ugc-net.com

उष्मगति भेदा/विसर्गभेद = (8)

विसर्ग की आठ गति होती है -

"ओभावश्च विवृत्तिश्च शषसा रेफ एव च
जिह्वामूलमुपध्मा च गतिरष्टविधोष्मणः" ॥14॥

(1) ओकार होना, (2) विवृत्ति होना (3) शकार होना
(4) षकार होना (5) सकार होना (6) रेफ
(7) जिह्वामूलीय (8) उपध्मानीय

8209837844 www.ugc-net.com

वर्णविशेषस्थाननिरूपण–

हकारं पञ्चमैर्युक्तमन्तःस्थाभिश्च संयुतम्।
उरस्यं तं विजानीयात्कण्ठ्यमाहुरसंयुतम् ॥16॥

परवर्ती वर्ग के पञ्चम वर्ण ङ, ण, न, म, घ, ञ से और अन्तस्थसंज्ञक (य व र ल) वर्णों से संयुक्त हकार- **"उरः स्थानक"** होता है। और इनसे असंयुक्त हकार -**"कण्ठस्थानक"** होता है।

वर्णोच्चारणस्थान-

कण्ठ्यावहाविचुयशास्तालव्या ओष्ठजावुपू।
स्युर्मूर्धन्या ऋटुरषा दन्त्या लृतुलसाः स्मृताः ॥17॥

कण्ठ- अ, ह, **तालु-** इ, य, श, चवर्ग,
ओष्ठ- उ, पवर्ग, **मूर्धा-** ऋ र,ष, टवर्ग
दन्त- लृ, ल, स, तवर्ग

जिह्वामूले तु कुः प्रोक्तो दन्त्योष्ठ्यो वः स्मृतो बुधैः।
एऐ तु कण्ठतालव्या ओऔ कण्ठोष्ठजौ स्मृतौ ॥18॥

जिह्वामूल- कवर्ग, **दन्तोष्ठ-** व,
कण्ठतालु- ए, ऐ, **कण्ठोष्ठ-** ओ, औ

8209837844

www.ugc-net.com

ए, ओ, ऐ, औ वर्णविचारः-

"अर्धमात्रा तु कठ्यस्य एकाररैकारयोर्भवेत्
ओकारौकारयोर्मात्रा तयोर्विवृतसंवृतम्।।19॥

'एकार' और 'ऐकार' में कण्ठ्य स्वर की अर्धमात्रा **'विवृत'** कहलाती है। 'ओकार' और 'औकार' के पूर्वभाग में कण्ठय स्वर की एक मात्रा **'संवृत'** कहलाती है।

"अर्धमात्रा तु कण्ठ्यस्य ऐकारौकारयोर्भवेत्,
एकारौकारयोर्मात्रा तयोर्विवृतसंवृतम्।।"19॥

'ऐकार' और 'औकार' में कण्ठस्थानक अवर्ण की आद्य अर्धमात्रा **'विवृत'** कहलाती है। 'एकार' और 'ओकार' में आद्य कण्ठस्थानक अवर्ण की अर्धमात्रा **'संवृत'** कहलाती है।

संवृतं मात्रिकं ज्ञेयं विवृतं तु द्विमात्रिकम् ।
घोषा वा संवृताः सर्वे अघोषा विवृताः स्मृता ॥20॥

संवृत, = एकमात्रिक,
विवृत = द्विमात्रिक,
ह्रस्व अवर्ण = **संवृत** ,
दीर्घ अवर्ण = **विवृत,**
सभी घोषवान वर्ण = **संवृत,**
सभी अघोषवान = **विवृत** ।

8209837844 www.ugc-net.com

स्वराणामूष्मणां चैव विवृतं करणं स्मृतम् ।
तेभ्योऽपि विवृतावेङौ ताभ्यामैचौ तथैव च ॥21॥

स्वर, उष्म वर्ण = विवृत, एङ् = विवृततर, ऐच् = विवृततम् ।

अनुस्वार-अयोगवाहस्थानविशेषाः-यम-

अनुस्वार और यमसंज्ञक वर्णों का स्थान -नासिका, । अयोगवाह वर्ण अपने आश्रयभूत स्वपूर्ववर्ति स्वर के स्थान को लेने वाले होते हैं।

वर्णोच्चारणविधि-

व्याघ्री यथा हरेत्पुत्रान्दंष्ट्राभ्यां न च पीडयेत् ।
भीता पतनभेदाभ्यां तद्वद्वर्णान्प्रयोजयेत् ॥25॥

जिस प्रकार बाघिन गिरने के तथा छेद हो जाने के भय से भयभीत हो दाँतों से बच्चों को ले जाती है, पीड़ा नहीं देती है, उसी प्रकार वर्णों के उच्चारण में भी अधिक शिथिल न हो या न अतीव आघात हो ।

अयोगवाह वर्ण– (6),

1. अनुस्वार 2. विसर्ग 3. जिह्वामूलीय
4. उपध्मानीय 5. यम 6. नासिका।

अनुस्वार स्वरूपम्-

स्वर के पीछे आने वाले अनुस्वार को =**हकार,**

रेफ और श ष स होने पर सदा =**दन्तमूलकस्थान**, और इसका उच्चारण लौकी की वीणा के ध्वनि के तुल्य ध्वनि वाला बना कर उच्चारित करना चाहिए।

रङ्ग मात्रा-

रङ्ग का उच्चारण तक्रँ के उच्चारण काल के समान करना चाहिए ।

रङ्ग की दो मात्रा होती है।

हृदये चैकमात्रस्त्वर्धमात्रस्तु मूर्धनि।
नासिकायां तथार्धं च रङ्गस्यैवं द्विमात्रता ॥28॥

रङ्ग की हृदय में =1 **मात्रा,** शिर में =1/2 **मात्रा,**

नासिका में =1/2 **मात्रा,** इस प्रकार रङ्ग की द्विमात्रिकता होती है।

द्विमात्रिक उदा.- "वृत्तं जघन्वाँ।"

8209837844

www.ugc-net.com

हस्तकार्य स्वरनिर्देश प्रकार -

"अनुदात्तो हृदि ज्ञेयो मूर्धन्युदात्त उदाहृतः

स्वरितः कर्णमूलीयः सर्वास्ये प्रचयः स्मृतः ॥48॥

उदात्त -शिरः प्रदेश , अनुदात्त - हृदय देश में हाथ रखकर ,

स्वरित - कर्णमूल प्रदेश , प्रचय - मुखप्रदेश,

मात्राविशेषनिदर्शनानि-

"चाषस्तु वदते मात्रां द्विमात्रं चैव वायसः।

शिखी रौति त्रिमात्रं तु नकुलस्त्वर्धमात्रकम्" ॥49॥

नीलकण्ठपक्षी -1 मात्रिक, कौआ -2 मात्रिक

मयूर -3 मात्रिक, नेवला - अर्धमात्रिक

वेद उच्चारण-

"अनक्षरमनायुष्यं विस्वरं व्याधिपीडितम्।

अक्षता शस्त्ररूपेण वज्रं पतति मस्तके ॥53॥

अक्षरविकल - आयुहीन

स्वरविकल - रोगपीडित

8209837
ugc-net.com

अधम पाठक लक्षण-

"गीती शीघ्री शिरः कम्पी तथा लिखितपाठकः।,
अनर्थज्ञोऽल्पकण्ठश्च षडेते पाठकाधमाः।।32॥

गाते हुए पढ़ने वाला, शीघ्र पढ़ने वाला, शिर हिलाते हुए पढ़ने वाला, स्वलिखित स्तोत्र को पढ़ने वाला, अर्थ को बिना जाने पढ़ने वाला, अल्प पाठ का कण्ठस्थ करने वाला ये छह पाठक अधम हैं ।

पाठक गुण-

"माधुर्यमक्षरव्यक्तिः पदच्छेदस्तु सुस्वरः
धैर्यं लयसमर्थं च षडेते पाठका गुणाः।।33॥

मधुरत्व, स्पष्ट अक्षरों का उच्चारण, पदों का विभाग, सुस्वर, सुन्दर, लययुक्त, ये छह पाठक के गुण हैं ।

8209837844

www.ugc-net.com

सोमयागेषु वाचः स्थानानां प्रयोगस्य नियमाः-

- 'प्रातः सवन' में नित्य **'बाघ'** के गर्जन के समान **'उरः'** स्थित **'गम्भीर'** वर्ण से शास्त्रादि वाक्य पढ़ें।
- माध्यन्दिन (बीच के सवन में) **'चकवे'** की ध्वनि सदृश **'कण्ठ'** स्थित स्वर से शास्त्रादि वाक्य पढ़ें।
- 'तृतीय सवन' में 'तार' स्वर को **'मयूरकोकिल-हंस'** सदृश **'शिरः'** स्थित **'नाद'** के समान स्वर से शास्त्रादि वाक्य पढ़ें।

8209837 c-net.com

आभ्यन्तर प्रयत्न-

"अचोऽस्पृष्टा यणस्त्वीषन्नेमस्पृष्टाः शलः स्मृताः।
शेषाः स्पृष्टा हलः प्रोक्ता निबोधनुप्रदानतः।।38॥

अच्- अस्पृष्ट=विवृत यण् - ईषत्स्पृष्ट, ईषद्विवृत
शल्- अर्धस्पृष्ट=ईषद्विवृत, हल - स्पृष्ट

बाह्यप्रयत्न-

ञमोनुनासिका नह्रौ नादिनो हझषः स्मृताः।
ईषन्नादा यणो जश्च श्वासिनस्तु खफादयः ॥39॥

ञम्- अनुनासिक, ह, र - अनुनासिक रहित, ह, झष - नाद
यण्, जश्- ईषन्नाद, खफ़ादि- श्वास प्रयत्न ।

8209837844

www.ugc-net.com

वेदाङ्ग-

"छन्दः पादौ तु वेदस्य हस्तौ कल्पोऽथ पठ्यते।
ज्योतिषामयनं चक्षुर्निरुक्तं श्रोत्रमुच्यते ॥41॥
शिक्षा घ्राणं तु वेदस्य मुखं व्याकरणं स्मृतम्।
तस्मात्साङ्गमधीत्यैव ब्रह्मलोके महीयते" ॥42॥

छन्द- पैर, कल्प- हाथ, ज्योतिष- आँख,
निरुक्त- कान, शिक्षा- नाक, व्याकरण- मुख ।

8209837844 www.ugc-net.com

हस्त में स्वरनिर्देश प्रकार-

उदात्तं प्रदेशिनीं विद्यात्प्रचयं मध्यतोङ्गुलिम् ।
निहतं तु कनिष्ठिक्यां स्वरितोपकनिष्ठिकाम् ॥44॥

उदात्त स्वर - अगूँठा तर्जनी के मूल में अग्रभाग जुड़ने पर।

अनुदात्त स्वर - कनिष्ठिका के अग्रभाग जुड़ने पर।

स्वरित स्वर - अनामिक के अग्रभाग जुड़ने पर ।

प्रचय स्वर - मध्यमा के अग्रभाग जुड़ने पर ।

उदात्त	=तर्जनी	अनुदात्त	=कनिष्ठिका
स्वरित	=अनामिका	प्रचय	=मध्यमा

8209837844
v.ugc-net.com

पदशय्याः- (9) प्रकार

अन्तोदात्तमाद्युदात्तमुदात्तमनुदात्तं नीचस्वरितम् ।
मध्योदात्तं स्वरितं द्व्युदात्तं त्र्युदात्तमिति नवपदशय्या ॥ 45॥

स्वरों के अवस्थितिविशेष से पद 9 प्रकार के होते हैं।

1. अन्तोदात्त	2. आद्युदात्त	3. उदात्त
4. अनुदात्त	5. अनुदात्तस्वरित	6. मध्योदात्त
7. स्वरित	8. द्व्युदात्त	9. त्र्युदात्त।

पदशय्याः उदा.-

1. **अग्निः** - अन्तोदात्त,
2. **सोमः**- आद्युदात्त,
3. **प्र**- उदात्त,
4. **वः**- अनुदात्त,
5. **वीर्यम्**- अनुदात्तस्वरित (नीचस्वरित),
6. **हविषाम्**- मध्योदात्त,
7. **स्वः**- स्वरित,
8. **बृहस्पतिः**- द्व्युदात्त,
9. **इन्द्राबृहस्पतिः**- त्र्युदात्त।

8209837844

www.ugc-net.com

हस्तकार्य स्वरनिर्देश प्रकार -

"अनुदात्तो हृदि ज्ञेयो मूर्धन्युदात्त उदाहृतः

स्वरितः कर्णमूलीयः सर्वास्ये प्रचयः स्मृतः ॥48॥

उदात्त -शिरः प्रदेश , अनुदात्त - हृदय देश में हाथ रखकर ,

स्वरित - कर्णमूल प्रदेश , प्रचय - मुखप्रदेश,

मात्राविशेषनिदर्शनानि-

"चाषस्तु वदते मात्रां द्विमात्रं चैव वायसः।

शिखी रौति त्रिमात्रं तु नकुलस्त्वर्धमात्रकम्" ॥49॥

नीलकण्ठपक्षी -1 मात्रिक, कौआ -2 मात्रिक

मयूर -3 मात्रिक, नेवला - अर्धमात्रिक

वेद उच्चारण-

"अनक्षरमनायुष्यं विस्वरं व्याधिपीडितम्।

अक्षता शस्त्ररूपेण वज्रं पतति मस्तके ॥53॥

अक्षरविकल - आयुहीन

स्वरविकल - रोगपीडित

8209837844

www.ugc-net.com

Next class....

॥भाषा विज्ञान॥

WE WANT
YOUR
FEEDBACK

LIKE
& SHARE

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844

www.ugc-net.com

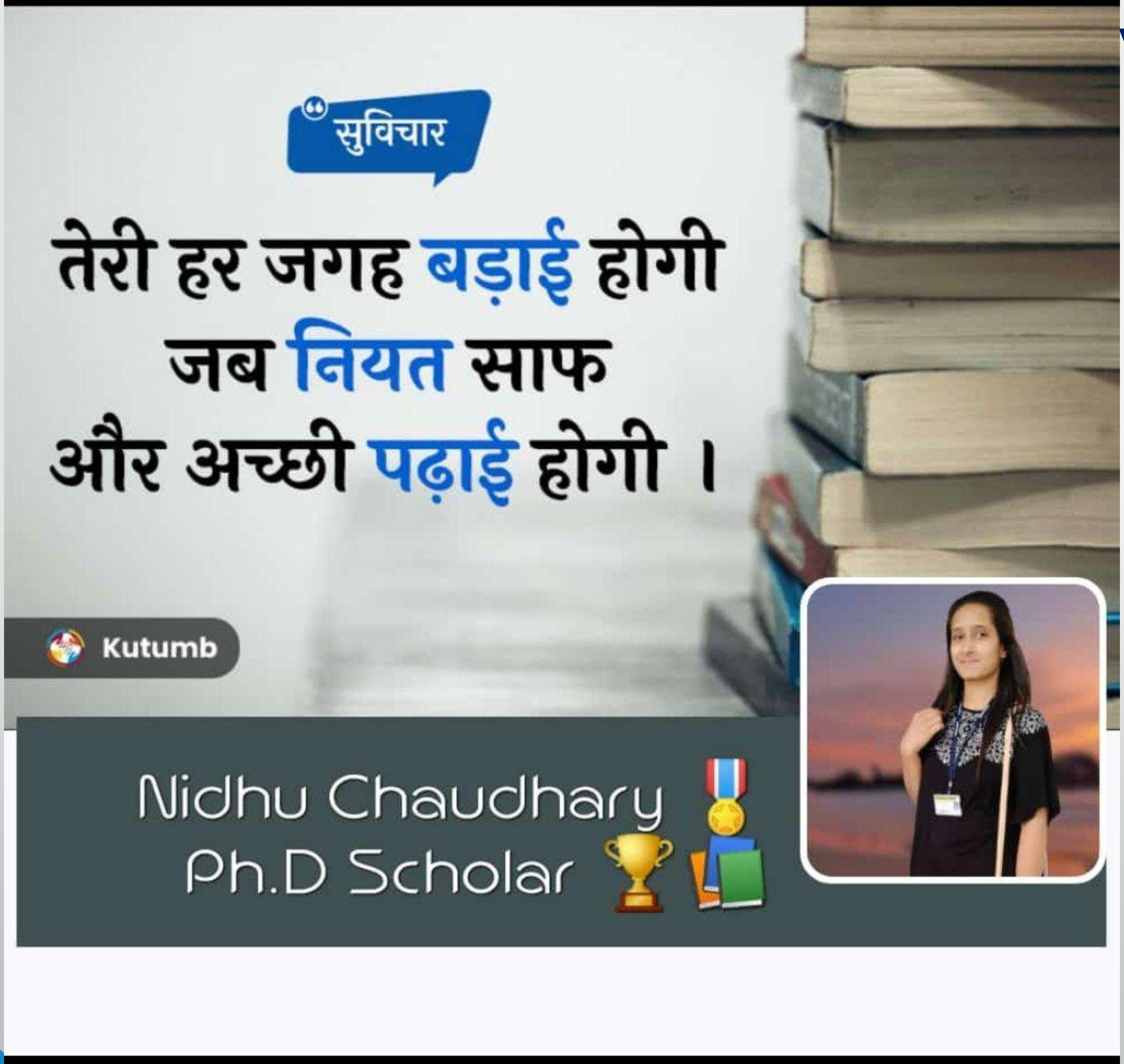

thank you